सभी का शुक्रिया

ए वक्त तेरी उलझनों के लिए शुक्रिया
जिसने बुद्धि को तलवार से तेज कर दिया

ए जिंदगी तेरी नफरत के लिए शुक्रिया
जिसने प्यार के लिए सभी को तड़पा दिया

ए राह तूने गिराकर किए जख्मों के लिए शुक्रिया
जिसने शरीर को हर संग्राम के लिए सशक्त किया

ए रात तेरे डरावने सपनों के लिए शुक्रिया
जिसने जगाकर यश प्राप्ति के लिए तैयार किया

ए बदनामी का डर तेरा भी शुक्रिया
तूने सदा स्वयं अनुशासन में रहना बता दिया

ए मौत तूने जो बिना अनुभव डरा दिया
शुक्रिया तेरा भी जो हर पल जीना सिखा दिया